भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

19.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3206 का उत्तर

यात्रियों के लिए गेस्ट हाउस

3206. श्री परिमल शुक्ला बैद्य:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार सिलचर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए गेस्ट हाउस या विश्राम गृह बनाने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार सिलचर रेलवे स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों के लिए पर्याप्त रेलवे क्वार्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठा रही है;

(घ) यदि हां, तो कितने नए क्वार्टरों का निर्माण प्रस्तावित है;

(ङ) क्या सरकार सिलचर की लोकल ट्रेनों को डीजल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (डीईएमयू) रेक में बदलने की योजना बना रही है; और

(च) यदि हां, तो इस प्रक्रिया की वर्तमान स्थिति संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके कार्यान्वयन की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च) भारतीय रेल पर स्टेशनों का विकास/उन्नयन एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य पारस्परिक प्राथमिकता और धन की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशनों के विकास/उन्नयन के लिए कार्यों को स्वीकृति देने और

निष्पादित करते समय निम्न कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

असम राज्य में स्थित सिलचर रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए तीन विश्राम कक्ष (डबल बेड वाले) और एक शयनगृह (छह बेड वाला) मौजूद हैं। हाल के वर्षों में सिलचर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं से संबंधित विभिन्न कार्य किए गए हैं, जिनमें प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र, पहुँच मार्ग, लिफ्टों का प्रावधान आदि शामिल है।

इसके अलावा, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सिलचर रेलवे स्टेशन को विकसित किए जाने के लिए चिह्नित किया गया है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ निरंतर आधार पर स्टेशनों के विकास की परिकल्पना की गई है। इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लैटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लैटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि शामिल हैं और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 50 स्टेशन असम राज्य में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत असम राज्य में विकसित किए जाने वाले चिह्नित स्टेशनों की सूची निम्नानुसार है:-

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	अमृत स्टेशनों के नाम
असम	50	आमगुरी, अरुणाचल, चापरमुख, धेमाजी, धुबड़ी, डिब्रूगढ़, दिफू, दुलियाजान, फकीराग्राम जंक्शन, गौरीपुर, गोहपुर, गोलाघाट, गोसाई गांव हॉल्ट, गुवाहाटी, हैबरगांव, हरमती, होजाई, जागीरोड, जोरहाट टाउन, कामाख्या, कोकराझार, लंका, लेडो, लामडिंग, माजबाट, माकुम जंक्शन, मार्गेरिटा, मरियानी, मुरकंगसेलेक, नाहरकटीया, नलबाड़ी, नामरूप, नारंगी, न्यू बोंगाईगांव, न्यू हाफलोंग, न्यू करीमगंज, न्यू तिनसुकिया, उत्तर लखीमपुर, पाठशाला, उत्तर रंगापाड़ा, रंगिया जंक्शन, सरूपथार, शिवसागर टाउन, सिलापथार, सिलचर, सिमालुगुड़ी, तंगला, तिनसुकिया, उदलगुड़ी, विश्वनाथ चरियाली

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत सिलचर स्टेशन के विकास के लिए मास्टर प्लानिंग शुरू कर दी गई है। यह एक पुनरावृत्तीय प्रक्रिया है जिसके लिए अनुकूलन की आवश्यकता होती है और इस स्तर पर ऐसे अनुकूलन के लिए समय-सीमा का संकेत नहीं दिया जा सकता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशनों के विकास/उन्नयन को आम तौर पर योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। असम राज्य पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र के लिए, योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 547 करोड़ रुपये (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

वर्तमान में सिलचर रेल स्टेशन पर 243 रेलवे आवास उपलब्ध हैं, जिनमें से सभी का उपयोग रेलवे कर्मचारियों द्वारा किया जाता हैं। रेल द्वारा अतिरिक्त 100 अदद नए आवासों की आवश्यकता की पहचान की है, जिसमें से पहले चरण में 22 अदद नए आवासों के निर्माण के लिए कार्य निष्पादन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सिलचर में वर्तमान में 30 रेल सेवाएं उपलब्ध हैं। पैसेंजर रेलगाड़ियों को एमईएमयू/डीईएमयू सेवाओं में बदलना भारतीय रेल की एक सतत् प्रक्रिया है, जो परिचालनिक व्यवहार्यता, एमईएमयू/डीईएमयू रेक की उपलब्धता, प्रतिस्पर्धी मांग आदि जैसे कारकों पर निर्भर है।

*****